JAGRAN CITY PAGE I

विज्ञान कांग्रेस में विद्यार्थी बनेंगे वालंटियर निभाएंगे जिम्मेदारी

जासं, लखनऊ : विश्वविद्यालय में होने वाले 109वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस के वार्षिक सम्मेलन में छात्र-छात्राएं भी बतौर वालंटियर सक्रिय भागीदारी निभाएंगे। इसके लिए अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने वालंटियर बनाने के लिए गूगल फार्म के जरिये छात्र-छात्राओं को आवेदन का मौका दिया है। इच्छुक विद्यार्थी 15 अप्रैल से पहले गूगल फार्म में अपना विवरण जमा कर सकते हैं।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि भारतीय विज्ञान कांग्रेस के सम्मेलन के लिए तैयारी शुरू हो चुकी है। विश्वविद्यालय कार्यक्रम के आयोजन में शामिल सेवाओं के लिए वालंटियर के रूप में छात्र-छात्राओं की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। उन्हें विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के नेतृत्व में विभिन्न टीमों से लेकर कार्यक्रम के आयोजन में कार्य का अवसर मिलेगा।

याद रहेगा विज्ञान कांग्रेस : अगले साल जनवरी में होने वाले भारतीय विज्ञान कांग्रेस की तैयारी में लखनऊ विश्वविद्यालय जुट गया है। इस आयोजन की तैयारियों को देखने आई टीम रविवार को वापस लौट गई। 10 सदस्यीय टीम ने अलग-अलग सत्र के लिए सभी विभागों को देखा है। कुछ आवश्यक सुझाव भी दिए गए हैं। इस सम्मेलन में दो हजार से अधिक डेलीगेट्स आएंगे। कुलपति प्रो. आलोक राय ने बताया कि कांग्रेस को यादगार बनाने के लिए काम शुरू कर दिया गया है।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

टीबी, कैंसर, डायबिटीज और बीपी पर मंथन करेंगे वैज्ञानिक

लखनऊ विश्वविद्यालय में अगले साल 3-7 जनवरी को होना है भारतीय विज्ञान कांग्रेस का 109वां वार्षिक अधिवेशन

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में जीन से सात जनवरी 2024 के बीच होने वाले भारतीय विज्ञान कांग्रेस के 109वें वार्षिक अधिवेशन में टीबी, कैंसर, डायबिटीज और बीपी जैसी बीमारियों पर दुनिया भर के शीर्ष वैज्ञानिक मंथन करेंगे। इन बीमारियों पर होने वाले विशेष सत्र में न सिर्फ विशेषज्ञों के साथ होंगे बल्कि सामान्यजन भी उनसे सवाल-जवाब कर सकेंगे।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ के पूर्व महाध्यक्ष प्रो. अशोक सक्सेना ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य ही विज्ञान को सीधे समाज से जोड़ना है। इसीलिए यह अधिवेशन जन सामान्य के बीच किया जाता है। विज्ञान बड़े-बड़े आविष्कारों की बात करता है, लेकिन अगर सबसे ज्यादा परेशान करने वाली समस्याओं के समाधान पर ही चर्चा और समाधान न हो सके तो उसकी क्या उपयोगिता रहेगी। इसीलिए विज्ञान कांग्रेस में शीर्ष वैज्ञानिक भारत में तेजी से फैलने वाली प्रमुख बीमारियों जैसे- कैंसर, डायबिटीज और बीपी के कारणों की पड़ताल करेंगे। इस बार यह छठवां आयोजन होगा। वास्तव में भारतीय विज्ञान कांग्रेस की स्थापना का विचार लविवि के प्रो. पीएस मैक मोहन और प्रो. जेएल सिम्मीसेन ने ही दिया था।

■ नोबल पुरस्कार से सम्मानित वैज्ञानिकों के शामिल होने की उम्मीद : लखनऊ विश्वविद्यालय अब तक 1916, 1923, 1953, 1985 और 2002 में विज्ञान कांग्रेस की मेजबानी कर चुका है। इस बार के आयोजन में दुनिया भर के 20 हजार से ज्यादा वैज्ञानिक जुटने की उम्मीद है। इसमें नोबल पुरस्कार पाने वाले वैज्ञानिक भी शामिल होंगे। यहां के शिक्षक, वैज्ञानिक और विद्यार्थियों को उनसे बातचीत करने और सुनने का अनुपम मिलेगा।

2025 तक टीबी को समाप्त करने का लक्ष्य

भारत सरकार ने वर्ष 2025 तक टीबी उन्मूलन का लक्ष्य रखा है। टीबी के इलाज की अवधि को अब छह महीने से कम करके दो महीने तक लाने पर भी बात हो रही है। नई दवाओं का ट्रायल चल रहा है। उम्मीद है कि जल्द ही इसे वाइडस्पेन में शामिल किया जाएगा।

अगले माह फिर होगी बैठक

लविवि में भारतीय विज्ञान कांग्रेस की तैयारियों परखने आई टीम का तीन दिवसीय दौरा रविवार को संपन्न हो गया। इस दौरान में विज्ञान कांग्रेस संघ के महाध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार सक्सेना, निवर्तमान महाध्यक्ष प्रो. नित्यानन्दी सक्सेना, पूर्व महाध्यक्ष डॉ. अशोक कामेश्वर, पूर्व महाध्यक्ष डॉ. मनोज पटेरिया, पूर्व महासचिव डॉ. गंगाधर व डा. इस रामकृष्ण, पूर्व कोषाध्यक्ष डॉ. शिवसत्य प्रकाश, डॉ. चंदेल और कोषाध्यक्ष डॉ. निर्मेशा चक्रवर्ती शामिल थे। अब माई में फिर से विशेषज्ञों की टीम फॉलोअप की समीक्षा तय करने के लिए बैठक करेंगे।

विद्यार्थियों से वालंटियर के लिए मांगे 15 आवेदन फॉर्म

लविवि ने भारतीय विज्ञान कांग्रेस के आयोजन में विद्यार्थियों की भागीदारी के लिए वालंटियर के रूप में आवेदन मांगे हैं। विधि प्रशासन ने इसके लिए गूगल फॉर्म जारी कर 15 अप्रैल तक गूगल फॉर्म के फाम्पस से गूगल देने को कहा है। इसके बाद वालंटियर के रूप में उनका चयन किया जाएगा।

NBT PAGE 4

'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के फायदे-नुकसान दोनों'

■ एनबीटी सं, लखनऊ : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के फायदे और नुकसान दोनों हैं। शनिवार आयोजनकर्ता हैं कि एआई का उपयोग पब्लिक गवर्निंग्स में किया जाए। ये बातें अमेरिका की पड़ने यूनिवर्सिटी से आए प्रो. आलोक आर चतुर्वेदी ने कहीं। वह रविवार को एलयू अभिव्यक्ति संकाय के प्लेसमेंट सेल की ओर से 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं आरोग्यसेवा' विषय पर सेमिनार के दौरान बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे। उन्होंने एआई टेक्नोलॉजी में हो रही नवीनतम प्रगति, एआई शोधकर्ताओं और चिकित्सकों के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की। सेमिनार में डॉ. हिमांशु पांडेय, डॉ. अनुपम त्रिपाठी, डॉ. सिद्धार्थ, डॉ. शैलेंद्र भास्कर, इंजी. जीशान अली, इंजी. जीतेंद्र सिंह भी मौजूद रहे।

एलयू: कैंपस प्लेसमेंट में 96 छात्रों का चयन

■ एनबीटी सं, लखनऊ : एलयू की सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की ओर से रविवार को प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। इसमें आदित्य बिड़ला कैपिटल कंपनी में 96 स्टूडेंट्स का चयन हुआ है जो इन सभी छात्रों को अलग-अलग पदों में 3-6 लाख रुपये प्रति वर्ष का पैकेज दिया गया है। सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की निदेशक प्रो. मधुरिमा लाल ने बताया कि पिछले कुछ महीनों में लगभग 2000 छात्रों का विभिन्न बहुराष्ट्रीय कंपनियों में प्लेसमेंट हुआ है, जो विश्वविद्यालय के लिए एक बड़ी उपलब्धि है कई अन्य बहुराष्ट्रीय कंपनियां शीघ्र ही लविवि में अपना प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित करने वाली हैं। लविवि के प्लेसमेंट सेल के छात्रों को रोजगार का पर्याप्त अवसर प्रदान करने के लिए कड़ी मेहनत की है और उनके प्रयास स्पष्ट रूप दिखाई पड़ रहे हैं। प्लेसमेंट ड्राइव को सफल बनाने में छात्रों की कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस दौरान नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग, मशीन लर्निंग और एआई अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्रों में नवीनतम सफलताओं के बारे में जानने और इसके इम्पैक्ट के बारे में भी एक्सपर्ट ने डीप नॉलेज सेशन शेयर किया। वहीं छात्रों को सेमिनार के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र में भाग लेने का अवसर मिला। जहां उन्होंने एआई के भविष्य और मानव जीवन पर इसके प्रभाव के बारे में जानकारी हासिल की हैं। सेमिनार में डॉ. हिमांशु पांडेय, डॉ. अनुपम त्रिपाठी, डॉ. सिद्धार्थ सिंह, डॉ. शैलेंद्र भास्कर, ईजी. जीशान अली, ईजी. जीतेंद्र सिंह सहित 200 से अधिक शिक्षक गण एवं छात्र उपस्थित रहे।

i-NEXT PAGE 4

एलयू ऑफर कर रहा स्टूडेंट्स को कई वोकेशनल कोर्स

इंटरेस्टिंग ऑप्शंस की भरमार

करियर ऑप्शंस

लखनऊ यूनिवर्सिटी में नई शिक्षा नीति के तहत चल रहे हैं वोकेशनल कोर्स

LUCKNOW (9 April): अगर आप ट्रेडिशनल बीए या बीएससी कोर्स नहीं करना चाहते और वोकेशनल कोर्स करना चाहते हैं, लेकिन आपको कंफ्यूजन है कि कौन सा कोर्स करें जिससे रोजगार के बेहतर मौके मिल सकें, तो लखनऊ यूनिवर्सिटी आपके लिए एक बेहतर विकल्प है. लखनऊ यूनिवर्सिटी कोर्स के हिसाब से वोकेशनल कोर्स चला रहा है, जो स्टूडेंट्स को बेहतर करियर के मौके दे रहे हैं. एलयू ने नई शिक्षा नीति के तहत ग्रेजुएशन स्तर पर पहले व तीसरे सेमेस्टर में करिकुलर व वोकेशनल कोर्स का प्रावधान बीते साल ही किया है. एलयू में आपको रिन्यूएबल एनर्जी से लेकर सेरीकल्चर तक के कोर्स मिल जाएंगे.

बीएससी बीवोक इन रिन्यूएबल एनर्जी

एलयू में यह वोकेशनल कोर्स नई शिक्षा नीति के तहत चल रहा है. इस कोर्स के लिए आवेदन प्रक्रिया चल रही है.

एलिजिबिलिटी : इंटरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा विज्ञान विषय के साथ अनरिजर्व्ड कैटेगरी के लिए 40 फीसदी और रिजर्व्ड कैटेगरी के लिए 33 फीसदी अंक होने चाहिए.

अवधि : 3 साल-6 सेमेस्टर

कोर्स के बारे में जानने के लिए एलयू की वेबसाइट

https://www.lkouniv.ac.in पर जाकर विभागवार कोर्स की डिटेल, सिलेबस समेत तमाम जानकारियां देखी जा सकती हैं.

साइंस फैकल्टी में बीएससी फर्स्ट व थर्ड सेमेस्टर के लिए कोर्स

नई शिक्षा नीति के तहत एलयू की साइंस फैकल्टी में करीब 14 वोकेशनल कोर्स चलाए जा रहे है. इसमें बीएससी दूसरे सेमेस्टर के लिए बेसिक ऑफ कंप्यूटर 1, सेरीकल्चर: मेडहस एंड प्रॉस्पेक्टस, फूड केमिस्ट्री, जिमोलॉजी, सोलर फोटोवोल्टिक टेक्नॉलजी, एलीमेंट्री नंबर थ्योरी एंड क्रिप्टोग्राफी, इंट्रोडक्शन टू स्टेटिस्टिकल डेटा एनालिसिस, मजरूम कल्टीवेशन टेक्नॉलजी कोर्स तैयार किए गए हैं. वहीं चौथे सेमेस्टर के लिए कंप्यूटर साइंस विभाग ने बेसिक ऑफ वेब डिजाइन केमिस्ट्री विभाग इंटीडक्शन ऑफ हाइसहोल्ड केमिकल्स, फिजियस में सोरल वर्म, एनर्जी कंजर्वेशन, ऑक्टोडेनेट्रॉनियस 2, सांख्यिकी विभाग ने इंटीडक्शन डाटा एनालिसिस 2 और बॉटनी विभाग ने हाइड्रोफोनियस में वोकेशनल कोर्स शुरू किया है.

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

लविवि सबसे ज्यादा जज देने वाला संस्थान

विधि संकाय के नेशनल लॉ फेस्ट के समापन पर पहुंचे राज्य मंत्री दयाशंकर सिंह

लखनऊ (एसएनबी)। लविवि के विधि संकाय द्वारा आयोजित नेशनल लॉ फेस्ट' के तीसरे दिन क्लाइंट काउंसलिंग, मिडिएशन एवं अन्य विधाओं के फाइनल राउंड आयोजित किए गए। निर्णायक के रूप में उच्च न्यायालय लखनऊ खंडपीठ के न्यायमूर्ति नरेंद्र कुमार जौहरी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के समापन पर मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के परिवहन राज्य मंत्री दयाशंकर सिंह उपस्थित रहे, उन्होंने विधि संकाय के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 'लखनऊ विश्वविद्यालय का विधि संकाय देश में सबसे ज्यादा न्यायाधीश देने वाला संकाय है और ये गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से निकलने वाले सुझाव सरकार सरकार को भेजने की अवश्यकता भी है, जिससे इन विचारों पर सकारात्मक दृष्टिकोण से अमल हो सके'। उन्होंने विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर के सम्मानित किया।

मिडिएशन प्रतियोगिता में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की टीम विजेता रही, जिसके सदस्य चिरंतन पॉल, नवनीत अवस्थी, रितिक आनंद थे।

डॉ. राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी की टीम दूसरे स्थान पर रही, जिसमें काव्या द्विवेदी विनायक तिवारी, के.यस.अरारतिक थे। जामिया मिलिया विश्वविद्यालय के उज्जलेश्वर कुमार कश्यप 'बेस्ट काउंसिल' रहे, 'बेस्ट मीडिएटर' हिमांशी चौधरी एवं 'बेस्ट क्लाइंट' हिमांशी नागर रहीं। प्रथम वर्ष के छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए इस इवेंट में विशेष पुरस्कार की घोषणा की गई थी, जिसके अनुक्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रथम वर्ष के छात्र वेदांत पांडे, रिया मिश्रा मिश्रा और अनन्या ओझा प्रथम रहे। क्लाइंट काउंसलिंग प्रतियोगिता के विजेता डॉ. राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के यशार्थ टंडन और अदिति सिंह रहे जबकि दूसरे स्थान पर लखनऊ विश्वविद्यालय की टीम रही जिसके सदस्य साक्षी लोधी और अभिषेक कुमार थे। 'बेस्ट काउंसिल' का पुरस्कार सोहम योले को जबकि 'बेस्ट क्लाइंट' का पुरस्कार आयुष पांडे को मिला जो लखनऊ विश्वविद्यालय विधि संकाय के छात्र हैं। गौरी शुक्ला और संविदा रस्तोगी को प्रथम वर्ष के सर्वश्रेष्ठ टीम के तौर पर चुना गया है। इस अवसर पर प्रो. हरीश चंद्र राम, स्टूडेंट डीन इन्द्र दमन तिवारी व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बीएचयू ने जीता नेशनल लॉ फेस्ट

लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित लॉ फेस्ट में प्रतिभाग करने वाले विजेता अतिथियों के साथ। - संवाद

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लविवि के विधि संकाय में आयोजित नेशनल लॉ फेस्ट प्रतियोगिता बीएचयू के चिरंतन पॉल, नवनीत अवस्थी और रितिक आनंद ने नाम रही। इस टीम ने पहला स्थान पाया। तीन दिन तक चले इस फेस्ट में डॉ. राम मनोहर लोहिया विधि विधि की टीम दूसरे स्थान पर रही, जिसमें काव्या द्विवेदी, विनायक तिवारी, केएस अरारतिक शामिल रहे। जामिया मिलिया विधि के उज्जलेश्वर कुमार कश्यप बेस्ट काउंसिल रहे, बेस्ट मीडिएटर हिमांशी चौधरी और बेस्ट क्लाइंट हिमांशी नागर को चुना गया।

डीन प्रो. बंशीधर सिंह ने बताया कि प्रथम वर्ष के छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए इस इवेंट में विशेष पुरस्कार की घोषणा की गई थी। जिसमें लखनऊ विधि के प्रथम वर्ष के छात्र वेदांत पांडे, रिया मिश्रा और अनन्या ओझा प्रथम रहे। क्लाइंट काउंसलिंग के विजेता लोहिया विधि विधि के यशार्थ टंडन और अदिति सिंह रहे जबकि दूसरे स्थान पर लविवि के साक्षी लोधी और अभिषेक कुमार रहे। बेस्ट काउंसिल का पुरस्कार सोहम योले को जबकि बेस्ट क्लाइंट का पुरस्कार आयुष पांडे को मिला। गौरी शुक्ला और संविदा रस्तोगी को प्रथम वर्ष की सर्वश्रेष्ठ टीम के तौर पर चुना गया है। (माई सिटी रिपोर्टर)

आएगा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का दौर

लखनऊ। लविवि के इंजीनियरिंग संकाय में रविवार को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार के मुख्य वक्ता अमेरिकी विधि के मैनेजमेंट एंड कंप्यूटर साइंस के प्रोफेसर आलोक आर चतुर्वेदी ने कहा कि एआई के सदुपयोग, नौकरियों पर एआई के प्रभाव और हेल्थकेयर और अन्य उद्योगों को बदलने के लिए एआई की क्षमता आज के लिए बड़ा मुद्दा है। सेमिनार में डॉ. हिमांशु पांडेय, डॉ. अनुपम त्रिपाठी, डॉ. सिद्धार्थ सिंह, डॉ. शैलेंद्र भास्कर आदि मौजूद रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में 96 का चयन

लखनऊ। लविवि के 96 छात्रों को प्लेसमेंट मिला है। सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की निदेशक प्रो. मधुरिमा लाल ने बताया कि आदित्य बिड़ला कैपिटल कंपनी की प्लेसमेंट ड्राइव में विधि के लगभग सभी विभागों के स्नातक और परास्नातक छात्रों ने भागीदारी की। इनमें से 96 छात्रों को 3-6 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिला है। (माई सिटी रिपोर्टर)

PIONEER PAGE 3, 4

एलयू का विधि संकाय देश में सबसे ज्यादा न्यायाधीश देने वाला संकाय: दयाशंकर सिंह

● विधि संकाय के नेशनल लॉ फेस्ट का भव्य समापन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की अल्टरनेटिव डिस्प्यूट रिजाल्यूशन एंड ड्राफ्टिंग सोसायटी की ओर से आयोजित नेशनल ला फेस्ट में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने फेस्ट के विजेता छात्र-छात्राओं को प्रमाणपत्र भी दिया। साथ ही यहां से निकलने वाले सुझावों को सरकार को भेजने के लिए भी कहा, ताकि सकारात्मक दृष्टिकोण से उन सुझावों पर अमल हो सके।

रविवार को जानकीपुरम कैंपस में नेशनल फेस्ट में क्लाइंट काउंसलिंग, मिडिएशन और अन्य विधाओं के फाइनल राउंड हुए। निर्णायक हाई कोर्ट खंडपीठ के न्यायमूर्ति नरेंद्र कुमार जौहरी रहे। डीन प्रो. बंशीधर सिंह, प्रो. हरिश्चंद्र राम, स्टूडेंट डीन इंद्र दमन तिवारी, योग और अल्टरनेटिव मेडिसिन के संकायाध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार सोनकर, सोसायटी के प्रेसिडेंट तुषार, कन्वीनर स्वराज सहित अन्य छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मिडिएशन प्रतियोगिता में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की टीम विजेता रही। जिसके सदस्य चिरंतन पल, नवनीत अवस्थी, रितिक आनंद थे। डा. राम मनोहर लोहिया नेशनल ला यूनिवर्सिटी से काव्या द्विवेदी, विनायक तिवारी दूसरे स्थान पर रहे। जामिया मिलिया विश्वविद्यालय के उज्जलेश्वर कुमार कश्यप बेस्ट काउंसिल चुने गए। बेस्ट मीडिएटर हिमांशी चौधरी और बेस्ट क्लाइंट हिमांशी नागर रहीं। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि प्रथम वर्ष के छात्र वेदांत पांडे, रिया मिश्रा और अनन्या ओझा को पुरस्कृत किया गया। क्लाइंट काउंसलिंग प्रतियोगिता के विजेता डा. राम मनोहर लोहिया नेशनल ला यूनिवर्सिटी के यशार्थ टंडन और अदिति सिंह रहे। दूसरे स्थान पर लखनऊ विश्वविद्यालय से साक्षी लोधी और अभिषेक कुमार रहे। बेस्ट काउंसिल का पुरस्कार आयुष पांडे को मिला। गौरी शुक्ला और संविदा रस्तोगी को प्रथम वर्ष के सर्वश्रेष्ठ टीम के तौर पर चुना गया है। निर्णायक के रूप में उच्च न्यायालय लखनऊ खंडपीठ के न्यायमूर्ति नरेंद्र कुमार जौहरी व मुख्य अतिथि परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह रहे।

डॉ बंशीधर सिंह ने बताया कि मिडिएशन प्रतियोगिता में विजेता बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की टीम रही, जिसके सदस्य चिरंतन पॉल, नवनीत अवस्थी, रितिक आनंद थे। डॉ राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी की टीम दूसरे स्थान पर रही, जिसमें काव्या द्विवेदी विनायक तिवारी, के एस अरारतिक थे। जामिया मिलिया विश्वविद्यालय के

'लवि ने दिए सबसे अधिक न्यायाधीश'

लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के नेशनल ला फेस्ट में बोले परिवहन मंत्री

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय का गौरवशाली इतिहास रहा है, यह देश में सबसे अधिक न्यायाधीश देने वाला संकाय है। यह बात परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कही। वह विश्वविद्यालय के विधि संकाय की 'अल्टरनेटिव डिस्प्यूट रिजाल्यूशन एंड ड्राफ्टिंग सोसायटी' की ओर से आयोजित नेशनल ला फेस्ट में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने फेस्ट के विजेता छात्र-छात्राओं को प्रमाणपत्र भी दिया। साथ ही यहां से निकलने वाले सुझावों को सरकार को भेजने के लिए भी कहा, ताकि सकारात्मक दृष्टिकोण से उन सुझावों पर अमल हो सके।

लवि के जानकीपुरम कैंपस में आयोजित नेशनल ला फेस्ट में पुरस्कृत छात्र-छात्राओं के साथ परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, निर्णायक उच्च न्यायालय लखनऊ खंडपीठ के न्यायमूर्ति नरेंद्र कुमार जौहरी, संकायाध्यक्ष डा. बंशीधर सिंह और अन्य • जागरण

लवि : 96 विद्यार्थियों को मिला प्लेसमेंट, पैकेज छह लाख तक

जासं, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं के प्लेसमेंट का सिलसिला जारी है। हाल ही में हुए कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में आदित्य बिड़ला कैपिटल कंपनी में स्नातक व परास्नातक के 96 छात्र-छात्राओं का चयन हुआ। यह सभी लवि के विभिन्न विभागों के विद्यार्थी हैं। इन्हें तीन से छह लाख तक का वार्षिक पैकेज मिलेगा। रविवार को विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्लेसमेंट पाने वालों की सूची जारी की।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि प्लेसमेंट ड्राइव की सफलता विश्वविद्यालय की ओर से दी जाने वाली शिक्षा और प्रशिक्षण की गुणवत्ता का प्रतीक है। सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की निदेशक प्रोफेसर मधुरिमा लाल ने बताया कि आदित्य बिड़ला कंपनी ने विभिन्न पदों के लिए आवेदन लिए थे। उसके बाद पांच अहीलें को कंपनी के प्रतिनिधियों ने छात्र-छात्राओं का साक्षात्कार लिया था। अब परिणाम आए हैं। कुल महीनों में ही विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट का आंकड़ा 2000 पहुंच चुका है। कई अन्य बहुराष्ट्रीय कंपनियां शीघ्र ही लवि में प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित करने आएंगी।

आज भी प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन

लवि में सोमवार को कैंपस लेसमेंट के लिए सुरजीत फाइनेंस कंपनी आएगी। मैनेजमेंट ट्रेनी के पदों पर नौकरी के लिए एमबीए मार्केटिंग एंड फाइनेंस की योग्यता वाले छात्र-छात्राओं को 30 मार्च तक आवेदन का मौका दिया गया था। प्लेसमेंट सेल की निदेशक प्रो. मधुरिमा लाल ने बताया कि प्लेसमेंट ड्राइव में चयनित छात्र-छात्राओं को ट्रेनिंग के दौरान 2.50 से तीन लाख रुपये तक पैकेज मिलेगा। ट्रेनिंग के बाद पैकेज चार से पांच लाख रुपये तक होगा। इसके अलावा जल्द ही छात्राओं के प्लेसमेंट के लिए भी चयन प्रक्रिया आयोजित की जाएगी।

AMRIT VICHAR PAGE 4

यूपी का नोडल सेंटर बनेगा एलयू का समाजकार्य विभाग

● समाज कार्य व्यवसाय के मानक को स्थापित करने हेतु समाजकार्य शिक्षा परिषद की स्थापना का लक्ष्य

सतीश सिंह। लखनऊ

आने वाले दिनों में लखनऊ विश्वविद्यालय का समाज कार्य विभाग समाज कल्याण के क्षेत्र में नोडल सेंटर बनने की तैयारी में है। इसको लेकर विभाग स्तर पर तैयारी चल रही है। नोडल सेंटर के रूप में स्थापित होने के बाद विभाग विभिन्न सरकारी व गैर सरकारी विभागों में संचालित सोशल वेलफेयर सर्विसेज में सरकार के माध्यम से अपना योगदान देने के साथ ही आम जनमानस में जागरूकता लाने की कोशिश करेगा। विभाग प्रमुख प्रो. अनूप भारतीय का कहना है कि नोडल सेंटर बनने के बाद समाज कल्याण के क्षेत्र में कार्य कर रहे विभिन्न एनजीओ को एक प्लेटफार्म पर लाने की कोशिश की जायेगी। साथ ही यूपी बेस्ड इंस्टीट्यूशन में चल रहे ट्रेनिंग प्रोग्राम में हमारे एक्सपर्ट शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि फरवरी माह के दौरान नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति आधारित कार्यशाला में प्रदेश सरकार के समाज कल्याण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) की तरफ से एक विचार आया कि विभाग की तरफ से गठित वरिष्ठ नागरिक कल्याण परिषद और आश्रम पद्धति वाले विद्यालयों से लेकर ट्रांसजेंडर बोर्ड में समाज कार्यकर्ता अपनी सक्रिय भूमिका अदा कर सकते हैं। ऐसे में नोडल सेंटर के बनने से प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं को प्लेसमेंट का बेहतर अवसर मिल सकती है। उन्होंने बताया कि इसे दस वर्षीय विजन प्लॉन में भी शामिल किया गया है। राजभवन की तरफ से गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा सुनिश्चित किये जाने को लेकर सभी राज्य विश्वविद्यालयों में मांगे गये दस वर्षीय विजन प्लान को लेकर प्रो. भारतीय ने बताया कि बाजार की मांग के अनुसार संचालित कोर्सों को अपग्रेड करने के साथ ही वैश्विक स्तर पर शिक्षण-प्रशिक्षण शोध के लिए अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित किया जायेगा। साथ ही समाजकार्य व्यवसाय के अध्ययन हेतु नये कोर्स शुरू किये जायेंगे। उन्होंने बताया कि समाज कार्य व्यवसाय के मानक को स्थापित करने हेतु समाजकार्य शिक्षा परिषद की स्थापना का भी विभाग स्तर पर लक्ष्य तय किया गया है। जिसे पूरा करने की कोशिश की जायेगी।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के भविष्य को लेकर दी जानकारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर स्थित अभियांत्रिकी संकाय के प्लेसमेंट सेल द्वारा रविवार को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं एंटरप्रेन्योरशिप पर सेमिनार का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। सेमिनार का मुख्य उद्देश्य छात्रों को एआई के क्षेत्र मे हुए नवीनतम रुझानों एवं नवाचारों के बारे में अवगत कराना था।

सेमिनार के मुख्य वक्ता अमेरिका की गवर्नमेंट फंडेड 150 साल पुरानी पड्यूं यूनिवर्सिटी के मैनेजमेंट एंड कंप्यूटर साइंस के प्रोफेसर आलोक आर चतुर्वेदी थे। उन्होंने उद्यमिता के क्षेत्र में एआई की भागीदारी पर विशेष ध्यान देने के साथ एआई टेक्नोलॉजी में हो रही नवीनतम प्रगति, एआई शोधकर्ताओं और चिकित्सकों के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों और अवसरों के बारे में बताया। एआई के सदुपयोग, नौकरियों पर एआई के प्रभाव और हेल्थकेयर और अन्य उद्योगों को बदलने के लिए एआई की क्षमता जैसे विषयों पर चर्चा की। सेमिनार में उपस्थित लोगों को नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग, मशीन लर्निंग और एआई अनुसंधान के अन्य प्रमुख क्षेत्रों में नवीनतम सफलताओं के बारे में जानने और इसकी क्षमताओं और संभावित अनुप्रयोगों के बारे में जानने का अवसर प्राप्त हुआ। छात्रों को सेमिनार के अंत में एक प्रश्नोत्तर सत्र में भाग लेने का अवसर दिया गया। जहां उन्होंने एआई के भविष्य और मानव जीवन पर इसके प्रभाव के बारे में अपने प्रश्न और संदेह पूछे। सेमिनार में डॉ हिमांशु पांडेय, डॉ अनुपम त्रिपाठी, डॉ सिद्धार्थ सिंह, डॉ शैलेंद्र भास्कर सहित 200 से अधिक शिक्षक गण एवं छात्र उपस्थित रहे।

एआई टेक्नोलॉजी में हो रही नवीनतम प्रगति

कार्यलय संवाददाता लखनऊ

लविवि में एआई पर हुआ सेमिनार अमेरिकन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर भी हुए शामिल

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय में रविवार को अमेरिका के पड्यूं यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर आलोक राज चतुर्वेदी पहुंचें। उन्होंने इंजीनियरिंग फैकल्टी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर आधारित सेमिनार में शिरकत किया। इस दौरान छात्रों को एआई और एंटरप्रेन्योरशिप पर कई टिप्स भी दिया।

एआई पर आधारित सेमिनार में अमेरिका की 150 साल पुरानी पड्यूं यूनिवर्सिटी के मैनेजमेंट एंड कंप्यूटर साइंस के प्रोफेसर आलोक आर चतुर्वेदी ने उद्यमिता के क्षेत्र में एआई की भागीदारी पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि एआई टेक्नोलॉजी में हो रही नवीनतम प्रगति, शोधकर्ताओं और चिकित्सकों के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों और अवसरों के बारे में जानकारी होना बहुत जरूरी हैं। इसके अलावा नौकरियों पर एआई के प्रभाव और हेल्थकेयर समेत अन्य उद्योगों में बड़ा बदलाव लाने की क्षमता हैं। इस दौरान नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग, मशीन लर्निंग और एआई अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्रों में नवीनतम सफलताओं के बारे में जानने और इसके इम्पैक्ट के बारे में भी एक्सपर्ट ने डीप नॉलेज सेशन शेयर किया। वहीं छात्रों को सेमिनार के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र मे भाग लेने का अवसर मिला। जहां उन्होंने एआई के भविष्य और मानव जीवन पर इसके प्रभाव के बारे में जानकारी हासिल की हैं। सेमिनार में डॉ. हिमांशु पांडेय, डॉ. अनुपम त्रिपाठी, डॉ. सिद्धार्थ सिंह, डॉ. शैलेंद्र भास्कर, ईजी. जीशान अली, ईजी. जीतेंद्र सिंह सहित 200 से अधिक शिक्षक गण एवं छात्र उपस्थित रहे।

लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों ने रचा इतिहास

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

उपलब्धि

● नामी कंपनियों में एक साथ 96 छात्रों का हुआ चयन

हम प्लेसमेंट सेल को लगातार मजबूत कर रहे हैं, प्रत